पर्चा डिक्री

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री कल्पित शिवरान आरएएस

करण सं0 : 109/2025

नवान :

1. जगदीश पुत्र रणधीर जाति जाट निवासी भिरानी तहसील भादरा। :- वादी

बनाम

1. रणधीरसिंह पुत्र बद्रीप्रसाद जाति जाट निवासी भिरानी तहसील भादरा।
2. सुमनदेवी पुत्री रणधीर पत्नी नरेश जाति जाट निवासी भिरानी हाल निवासी राजपुरिया तहसील सिद्धमुख जिला चुरू।
3. राजबाला पुत्री रणधीर पत्नी राजेश जाति जाट निवासी भिरानी हाल निवासी राजपुरिया तहसील सिद्धमुख जिला चुरू।
4. राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- प्रतिवादीगण

आज यह वाद न्यायालय सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रैक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री विरेन्द्र जाखड़ एवं वकील प्रतिवादीगण सुश्री रीटा चौधरी की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी आंशिक सावित होने के कारण मुताबिक राजीनामा आंशिक डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 105/49 के मु0नं0 503 के कि0नं0 11, 20, 21 मु0नं0 504 के कि0नं0 16, 25 मु0नं0 530 के कि0नं0 1 ता 10, 12 ता 17 मु0नं0 531 के कि0नं0 1, 10, 11, 20 कुल किता 25 की 5.401 है0 बारानी में प्रतिवादी रणधीरसिंह के नाम से 292/5401 हिस्सा दर्ज है उक्त भूमि को प्रतिवादी रणधीर सिंह के नाम यथावत रखा जाता है तथा वाद भूमि रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 138/353 के मु0नं0 369 के कि0नं0 11 ता 13, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 20/1, 20/2, 21 ता 23 मु0नं0 370 के कि0नं0 6, 15, 16/1, 16/2, 25 मु0नं0 402 के कि0नं0 5, 6, 15 मु0नं0 403 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13 कुल किता 29 की 6.325 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम से 607/12650 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 107/56 के मु0नं0 464 के कि0नं0 9 ता 12, 18 ता 21, 22/1, 22/2, 23 मु0नं0 465 के कि0नं0 15 ता 17, 24, 25 मु0नं0 484 के कि0नं0 4 ता 7 मु0नं0 485 के कि0नं0 1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 9/1, 9/2, 10 कुल किता 27 की 5.819 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या रणधीर के नाम 2667/29095 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 106/55 के मु0नं0 414 के कि0नं0 21, 22 मु0नं0 415 के कि0नं0 25/1, 25/2 मु0नं0 444 के कि0नं0 2 ता 4, 5/1, 5/[illegible] 6/2, 7 ता 9, 12 ता 14, 15/1, 15/2, 16/1, 16/2, 17, 18, 23, 24, 25 [illegible] कि0नं0 [illegible] ता 4, 7 ता 25 कुल किता 50 की 11.132 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम 63/5566 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या [illegible]4/185 के मु0नं0 459 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13, 18, 19, 20, 22, 23 मु0नं0 460 के कि0नं0 1/1, 1/2, 2 ता 9, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12 ता 19, 20/1, 20/2 कुल किता 38 की 8.602 है0

Signature Not Verified
Digitally signed by Kalpit Shivran
Date: 2025.08.05 12:47:38 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

रिकार्ड में दर्ज है। उक्त वादभूमि में से प्रतिवादी सं0 1 रणधीरसिंह का नाम कलमजन कर वादी को खातेदार घोषित किया जावे। चूंकि प्रतिवादी 1 ता 3 ने अपना हक हिस्सा वादी के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। इस प्रकार वाद वादी मुताबिक राजीनामा के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर आंशिक स्वीकृत किया जाता है।

क्रियात्मक आदेश

अतः वाद वादी आंशिक साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा आंशिक डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 105/49 के मु0नं0 503 के कि0नं0 11, 20, 21 मु0नं0 504 के कि0नं0 16, 25 मु0नं0 530 के कि0नं0 1 ता 10, 12 ता 17 मु0नं0 531 के कि0नं0 1, 10, 11, 20 कुल किता 25 की 5.401 है0 बारानी में प्रतिवादी रणधीरसिंह के नाम से 292/5401 हिस्सा दर्ज है उक्त भूमि को प्रतिवादी रणधीर सिंह के नाम यथावत रखा जाता है तथा वाद भूमि रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 138/353 के मु0नं0 369 के कि0नं0 11 ता 13, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 20/1, 20/2, 21 ता 23 मु0नं0 370 के कि0नं0 6, 15, 16/1, 16/2, 25 मु0नं0 402 के कि0नं0 5, 6, 15 मु0नं0 403 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13 कुल किता 29 की 6.325 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम से 607/12650 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 107/56 के मु0नं0 464 के कि0नं0 9 ता 12, 18 ता 21, 22/1, 22/2, 23 मु0नं0 465 के कि0नं0 15 ता 17, 24, 25 मु0नं0 484 के कि0नं0 4 ता 7 मु0नं0 485 के कि0नं0 1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 9/1, 9/2, 10 कुल किता 27 की 5.819 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या रणधीर के नाम 2667/29095 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 106/55 के मु0नं0 414 के कि0नं0 21, 22 मु0नं0 415 के कि0नं0 25/1, 25/2 मु0नं0 444 के कि0नं0 2 ता 4, 5/1, 5/2, 6/1, 6/2, 7 ता 9, 12 ता 14, 15/1, 15/2, 16/1, 16/2, 17, 18, 23, 24, 25/1, 25/2 मु0नं0 445 के कि0नं0 1 ता 4, 7 ता 25 कुल किता 50 की 11.132 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम 63/5566 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 464/185 के मु0नं0 459 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13, 18, 19, 20, 22, 23 मु0नं0 460 के कि0नं0 1/1, 1/2, 2 ता 9, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12 ता 19, 20/1, 20/2 कुल किता 38 की 8.602 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर सिंह के नाम 405/17204 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त वादभूमि में से प्रतिवादी सं0 1 रणधीरसिंह का नाम कलमजन कर वादी जगदीश को खातेदार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादी सं0 1 ता 3 ने अपना हक हिस्सा वादी के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है अतः त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटि अदा करने पर व यदि कृषि भूमि रहन है तो रहनमुक्त होने के उपरान्त उपरोक्तनुसार राजस्व रिकार्ड में अमलदरामद किया जाकर रिकार्ड दुरूस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। आंशिक पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक 07.07.2025 को मेरे द्वारा लिखा जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Kalpit Shivran
Date: 2025.08.05 12:47:38 IST
Reason: SelfAttested

(कल्पित शिवरान) RAS
सहायक कलेक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़

Scanned with CamScanner

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री कल्पित शिवरान आरएएस

प्रकरण सं0 : 109/2025

उनवान :

1. जगदीश पुत्र रणधीर जाति जाट निवासी भिरानी तहसील भादरा।

:– वादी

बनाम

1. रणधीरसिंह पुत्र बद्रीप्रसाद जाति जाट निवासी भिरानी तहसील भादरा।
2. सुमनदेवी पुत्री रणधीर पत्नी नरेश जाति जाट निवासी भिरानी हाल निवासी राजपुरिया तहसील सिद्धमुख जिला चुरू।
3. राजबाला पुत्री रणधीर पत्नी राजेश जाति जाट निवासी भिरानी हाल निवासी राजपुरिया तहसील सिद्धमुख जिला चुरू।
4. राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार राजस्व भादरा।

:– प्रतिवादीगण

दावा बाबत : इस्तकरार हक

अन्तर्गत धारा 88 राज0काश्त0अधि0 1955

उपस्थिति : वकील श्री विरेन्द्र जाखड़ **: वादी**

वकील सुश्री रीटा चौधरी **: प्रतिवादी सं0 1 ता 3**

निर्णय **दिनांक :** 07.07.2025

संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार है कि रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 138/353 के मु0नं0 369 के कि0नं0 11 ता 13, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 20/1, 20/2, 21 ता 23 मु0नं0 370 के कि0नं0 6, 15, 16/1, 16/2, 25 मु0नं0 402 के कि0नं0 5, 6, 15 मु0नं0 403 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13 कुल किता 29 की 6.325 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम से 607/12650 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 107/56 के मु0नं0 464 के कि0नं0 9 ता 12, 18 ता 21, 22/1, 22/2, 23 मु0नं0 465 के कि0नं0 15 ता 17, 24, 25 मु0नं0 484 के कि0नं0 4 ता 7 मु0नं0 485 के कि0नं0 1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 9/1, 9/2, 10 कुल किता 27 की 5.819 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या रणधीर के नाम 2667/29095 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 106/55 के मु0नं0 414 के कि0नं0 21, 22 मु0नं0 415 के कि0नं0 25/1, 25/2 मु0नं0 444 के कि0नं0 2 ता 4, 5/1, 5/2, 6/1, 6/2, 7 ता 9, 12 ता 14, 15/1, 15/2, 16/1, 16/2, 17, 18, 23, 24, 25/1, 25/2 मु0नं0 445 के कि0नं0 1 ता 4, 7 ता 25 कुल किता 50 की 11.132 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम 63/5566 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 105/49 के मु0नं0 503 के कि0नं0 11, 20, 21 मु0नं0 504 के कि0नं0 16, 25 मु0नं0 530 के कि0नं0 1 ता 10, 12 ता 17 मु0नं0 531 के कि0नं0 1, 10, 11, 20 कुल किता 25 की 5.401 है0 बारानी में प्रतिवादी रणधीरसिंह के नाम से 292/5401 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 464/185 के मु0नं0 459 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13, 18, 19, 20, 22, 23 [illegible] के कि0नं0 2 ता 9, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12 ता 19, 20/1, 20/2 कुल [illegible] 8.602 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर [illegible] राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Kalpit Shivran
Date: 2025.08.05 12:47:38 IST
Reason: SelfAttested

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू है तथा हिन्दू विधि से शासित होते है। वादभूमि वादी की दादालाई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादीगण ने प्रतिवादीगण को वादभूमि में वादी के खातेदारी हकों की घोषणा कर राजस्व रिकार्ड दुरूस्त करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये।

सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रेक) भादरा

Scanned with CamScanner

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादी एवं प्रतिवादी सं0 1 ता 3 द्वारा आपसी [illegible] सी से राजीनामा पेश किया गया। प्रतिवादी सं0 4 द्वारा जबावदावा पेश किया गया। वादी [illegible] प्रतिवादीगण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नही है। अतः [illegible] वादी से साक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में जगदीश पुत्र रणधीर जाति जाट निवासी भिरानी तहसील भादरा के [illegible] करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में जमाबंदी रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 138/353 संवत 2074-77 प्रदर्श 1, जमाबंदी रोही मौजा भिरानी संवत 2074-77 खाता संख्या 107/56 प्रदर्श 2, जमाबंदी रोही मौजा भिरानी संवत 2074-77 खाता संख्या 106/55 प्रदर्श 3, जमाबंदी रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 105/49 संवत 2074-77 प्रदर्श 4, जमाबंदी रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 464/185 संवत 2074-77 प्रदर्श 5, जमाबंदी रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 175 प्रदर्श 6, जमाबंदी खतौनी भिरानी संवत 2033 खाता संख्या 242 प्रदर्श 7, शपथ पत्र जगदीश बाबत सदस्य हेतु दिनांक 16.06.2025 प्रदर्श 8 प्रदर्शित करवाये गये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की दादालाई पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी एवं प्रतिवादीगण का जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं0 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादी एवं प्रतिवादीगण के हकों पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पति साबित होने पर वाद वादीगण डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।

न्यायालय द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादी ने रोही मौजा भिरानी के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने दावा की पुष्टि में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी व सदस्य प्रमाण पत्र प्रदर्श 1 से 8 प्रदर्शित करवाये। रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 105/49 के मु0नं0 503 के कि0नं0 11, 20, 21 मु0नं0 504 के कि0नं0 16, 25 मु0नं0 530 के कि0नं0 1 ता 10, 12 ता 17 मु0नं0 531 के कि0नं0 1, 10, 11, 20 कुल किता 25 की 5.4010 है0 बारानी में प्रतिवादी रणधीरसिंह के नाम से 292/5401 हिस्सा दर्ज है। उक्त वादभूमि पैतृक साबित नहीं होने के कारण प्रतिवादी रणधीर सिंह के नाम यथावत रखी जावे तथा वाद भूमि रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 138/353 के मु0नं0 369 के कि0नं0 11 ता 13, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 20/1, 20/2, 21 ता 23 मु0नं0 370 के कि0नं0 6, 15, 16/1, 16/2, 25 मु0नं0 402 के कि0नं0 5, 6, 15 मु0नं0 403 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13 कुल किता 29 की 6.3250 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम 607/12650 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या 107/56 के मु0नं0 464 के कि0नं0 9 ता 12, 18 ता 21, 22/1, 22/2, 23 मु0नं0 465 के कि0नं0 15 ता 17, 24, 25 मु0नं0 484 के कि0नं0 4 ता 7 मु0नं0 485 के कि0नं0 1/1, 1/2, 2/1, 2/2, 9/1, 9/2, 10 कुल किता 27 की 5.819 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या रणधीर के नाम 2667/29095 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी खाता संख्या 106/55 के मु0नं0 414 के कि0नं0 [illegible] मु0नं0 415 के कि0नं0 25/1, 25/2 मु0नं0 444 के कि0नं0 [illegible] 7 ता 9, 12 ता 14, 15/1, 15/2, 16/1, 16/2, 17, [illegible] के कि0नं0 1 ता 4, 7 ता 25 कुल किता 50 की 11.132 है0 [illegible] प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर के नाम 63/5566 हिस्सा, रोही मौजा भिरानी के खाता संख्या [illegible]64/185 के मु0नं0 459 के कि0नं0 1 ता 3, 8 ता 13, 18, 19, 20, 22, 23 मु0नं0 460 के कि0नं0 1/1, 1/2, 2 ता 9, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12 ता 19, 20/1, 20/2 कुल किता 38 की 8.602 है0 बारानी मय रास्ता में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर सिंह के नाम 405/17204 हिस्सा राजस्व

Signature Not Verified
Digitally signed by Kalpit Shivran
Date: 2025.08.05 12:47:38 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

...उक्त बय सख्या में प्रतिवादी संख्या 1 रणधीर सिंह के नाम 405/17204 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। उक्त वादभूमि में से प्रतिवादी सं0 1 रणधीरसिंह का नाम कलमजन कर वादी जगदीश को खातेदार घोषित किया जाता है। चूंकि प्रतिवादी सं0 1 ता 3 ने अपना हक हिस्सा वादी के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है अतः त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटि अदा करने पर व यदि कृषि भूमि रहन है तो रहनमुक्त होने के उपरान्त उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमलदरामद किया जाकर रिकार्ड दुरूस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह आंशिक पर्चा डिक्री आज दिनांक 07.07.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

(कल्पित शिवरान)RAS
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़

Signature Not Verified
Digitally signed by Kalpit Shivran
Date: 2025.08.05 12:47:38 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner